

मॉडल सेट-06

खण्ड 'क' (अपठित अवबोधनम्) 13 (अंकाः)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दें-

भारतवर्षे रामायणम्, महाभारतम् च पुस्तक द्वयम् महत्त्वपूर्णम्

'रामायणम्' लौकिक संस्कृतम्य प्रथमः ग्रन्थः। अस्मिन् ग्रन्थे मर्यादा पुरूषोत्तमस्य श्रीरामस्य जीवनस्य वृत्तं वर्तते। अस्य लेखकः महर्षिः वाल्मीकिः आसीत्। सः आदिकविः आसीत्, अतः तस्य रचना 'आदिकाव्यम्' इति कृत्वा विद्वांसः स्मरन्ति। एतत् काव्यम् अनुष्टुप छन्दसि निबद्धम्। अत्र श्लोकानां चतुर्विंशति सहस्रं वर्तते, तेन रामायणं चतुर्विंशति-साहस्री संहिता' इति नाम्ना अपि विद्वद्भिः स्मर्यते। इदं कविना नारदमुनेः प्रेरणया ब्रह्मणः वचनेन च रचितम्। अवधी भाषायां तुलसीदास साधारण जनानां कृते रामचरितमानसं लिखितवान्।

(क) एक पदेन उत्तरतः-

4 x1= 4

- (i) रामायण कस्य जीवनस्य वृत्तं वर्तते?
- (ii) कः आदि कविः
- (iii) 'रामायणम् विद्वद्भिः केन नाम्ना स्मर्यते?
- (iv) 'रामायणम्' कस्य प्रेरणया रचितम्?

(ख) पूर्णवाक्येन उत्तरतः-

2 x2= 4

- (i) रामायणे कति श्लोकाः सन्ति?
- (ii) अवधी भाषायां रामचरितमानसः कस्य रचना अस्ति?

(ग) निर्देशानुसारम् उत्तरतः-

4 x1= 4

- (i) गद्यांशे 'वाल्मीकि, अस्य पदस्य विशेषणं पदं लिखत
- (ii) 'सः आदिकविः आसीत्' अत्र 'सः' पदं कस्मै प्रयुक्तम्?

(iii) 'एतत् काव्यम् अनुष्टुप छन्दसि निबद्धम्' यहाँ 'एतत्' वाक्य में किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(iv) 'एतत् काव्यं नारदमुने प्रेरणया' यहाँ 'काव्यं' पद किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(घ) उपर्युक्त अनुच्छेद के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखें।

1

खण्ड 'ख' प्रत्रलेखन-रचनात्मक कार्यम- (15 अंकाः)

2. मञ्जूषा में दिये गये पदों के सहायता से विद्यालय से दो दिनों की छुट्टी के लिये प्रधानाध्यापक को आवेदन पत्र लिखें:-

1 x8= 8

सेवायाम्

प्रधानाचार्यः

(i).....भोजपुरम्।

महाशयः,

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् (iii).....मासस्य पञ्चमें दिनाङ्के मम (iii).

.....विवाहः (iv).....सम्पत्स्यते।

विवाहतिथेः एकदिन पूर्वमेव मया तत्र प्राप्तव्यम्।

अतः (v).....अवकाशं प्रदाय (vi).....भवान् इति मदिाया

(vii).....।

(viii).....शिष्या

पूजा

कक्षा- X 'अ'

क्रमाङ्क-11

मञ्जूषा:- अगामी, पाटलिपुत्रे, अनुगृहणात्, अमीरचन्द बा०उ० विद्यालय,
प्रार्थना, दिनद्वयस्य, भवदीना, भगिन्याः।

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर सात वाक्यों में अनुच्छेद लिखें- 1 x7= 7
(i) पाटलिपुत्र (ii) दीपावली (iii) अस्माकं ग्रामः (iv) सत्संगति

खण्ड-‘ग’ (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्-32 अङ्काः)

4. निर्देशानुसार उत्तर दें:- 4 x1= 4
(i) महोत्सवः (सन्धि विच्छेद करें।)
(ii) यदि+अपि (सन्धि करें।)
(iii) सु+उ (से कौन सा नया वर्ण बनेगा)
(iv) पूर्वरूप सन्धि का एक उदाहरण दें।
5. (क) पश्यति में कौन सा धातु है? 1
(i) पद् (ii) पश्त् (iii) पा (iv) दृश्
(ख) ‘ज्ञास्यति’ किस लकार का रूप है? 1
(i) लोट् (ii) लङ् (iii) लट् (iv) लृट्
(ग) ‘लभ्’ धातु के लट् लकार प्रथम पुरुष एक वचन का रूप लिखें। 1
6. (क) ‘मुनि’ शब्द के पञ्चमी एक वचन का रूप क्या होगा? 1
(i) मुनौ (ii) मुनेः (iii) मुनये (iv) मुनिना
(ख) ‘राजा’ किस शब्द का रूप है?
(i) राजा (ii) राजन् (iii) राजन् (iv) राज
(ग) ‘पित्रे’ पद में कौन सा विभक्ति है? 1
7. क. ‘गंगा हिमालयात् निःसरति’ वाक्य में ‘हिमालयात्’ पद में कौन सा 2
विभक्ति और किस सूत्र से हुई है?
ख. ‘रूच्यर्थानां प्रीयमाणः सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें। 2
8. (क) गोः समीपम् का समस्त पद लिखें। 1

- (ख) रामलक्ष्मणौ का विग्रह करें। 1
- (ग) चन्द्रशेखरः में कौन सा समास है? 1
9. (क) स्था+ तव्यत् से कौन-सा पद बनेगा? 1
- (i) स्थातव्यत् (ii) स्थानीयम्
(iii) स्थातव्यम् (iv) स्थातम्
- (ख) 'पठनम्' में कौन सा प्रत्यय है?
- (i) शतृ (ii) क्त (iii) अप् (iv) ल्युट्
10. (क) नायक+टाप् से कौन सा शब्द बनेगा? 1
- (i) नायिका (ii) नायकटा (iii) नायका (iv) नायिकता
- (ख) 'नारी' में कौन सा स्त्री प्रत्यय है? 1
- (i) डीष (ii) डीन् (iii) डीप् (iv) ई
11. (क) 'सैनिक' में कौन सा तद्धित प्रत्यय है? 1
- (i) ढक् (ii) ठक् (iii) ढज् (iv) ढज
- (ख) 'मानव+त्व' से कौन-सा शब्द बनेगा? 1
- (i) मानवता (ii) माननीय (iii) मानवत्वम् (iv) मानवीयम्
12. प्रति उपसर्ग के योग से एक शब्द बनावें? 1
13. अधोलिखित में किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें- 7 x1= 7
- (i) विद्या धनों में उत्तम है।
(ii) मुझे उनका चरित्र अच्छा लगता है।
(iii) राजीव गांधी प्रगतिवादी विचार के थे।
(iv) उनके साथ अधिकांश लोग थे।
(v) क्या तुम उनके सम्बन्ध में जानते हो?

- (vi) मैदान में बच्चे खेलते हैं।
- (vii) मनुष्यों में ब्राह्मण श्रेष्ठ हैं।
- (viii) आज वर्षा होगी।
- (ix) विद्यालय के दोनों ओर वृक्ष हैं।
- (x) वह पाप से डरता है।

खण्ड-‘घ’ (पठित अवबोधनम्- 40 अङ्काः)

14. निम्नलिखित गद्यांशों का हिन्दी में अनुवाद करें:- 3 x2= 6
- (क) विवाह-संस्कार- पूर्वकमेव मनुष्यः वस्तुतो गृहस्थजीवनं प्रविशति।
 - (ख) सम्प्रति पाटलिपुत्रम् अति विशालं वर्तते बिहारस्य राजधानी चास्ति।
 - (ग) आसीत् मिलालायां वीरेश्वरो नाम मन्त्री स च स्वभावाद् दानशीलः आसीत्।
15. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दें:- 4 x1= 4
- (क) अलस कथायाः कथाकारः कः?
 - (ख) शैक्षणिकाः संस्काराः कति सन्ति?
 - (ग) स्वामी दयानन्दस्य जन्म कदा अभवत्?
 - (घ) गृहस्थ जीवनस्य एकः संस्कारः कः?
16. विद्यापति कौन थे, उन्होंने किस ग्रन्थ की रचना की पठित पाठ के आधार पर वर्णन करें 3
17. कर्मवरी कौन था? उनकी सफलता की कहानी लिखें। 3
18. निम्नलिखित श्लोकों का अनुवाद हिन्दी में करें- 2 x2= 4
- (क) अनाहूतः प्रविशति अपृष्टो बहुभाषते।
अविश्वस्ते विश्वसिति मूढचेता नराधमः॥
 - (ख) इयं निर्मला वत्सला मातृभूमिः

प्रसिद्धं सदा भारतं वर्षमेतत्।

विभिन्न जनां धर्म जाति,

प्रभेदैरिहैकत्वभावं वहन्तो वसन्ति॥

19. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें- 3

कंकणस्य तु लोभेन मग्नः पंके सुदुस्तरे।

वृद्ध व्याघ्रेण सम्प्राप्तः पथिकः स मृतो यथा॥

20. एक पदेन उत्तरतः- 4 x1= 4

(क) मिथिलायां मन्त्री कः?

(ख) संस्काराः कति सन्ति?

(ग) रामः कां मन्दाकिनी नदी दर्शयति?

(घ) महाभारतस्य रचनाकारः कः ?

21. विश्वशान्ति के लिए हमें क्या करना चाहिए? 3

22. (क) मन्दाकिनी नदी की शोभा का वर्णन करें। 3

(ख) इतिहासे श्रूयते यत् गङ्गायास्तीरे बुद्ध काले पाटलिग्रामः स्थितः आसीत्।

यत्र च भगवान् बुद्ध बहुकृत्वः समागतः।

(i) यह गद्यांश किस पाठ से ली गयी है? 1

(ii) पाटलिपुत्र (बुद्ध के समय) कहाँ स्थित था? 1

(iii) यहाँ कौन बार-बार आये थे? 1

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें- 1

(क) विद्या केन रक्ष्यते?

(ख) विशालाक्षिः कस्याः कृते सम्बोधनम्? 1

(ग) दानवीरः कः आसीत्? 1

(घ) कः सांख्य दर्शनस्य प्रवर्तकः आसीत्?

उत्तराणि मॉडल सेट- 06

1. (क) (i) श्रीरामस्य (ii) वाल्मीकिः (iii) चतुर्विंशति-सहस्रसंहिता (iv) नारदमुनेः

(ख) I- रामायणे चतुर्विंशति- सहस्रं श्लोकाः सन्ति।

II- 'अवधी' भाषायां रामचरितमानसः तुलसीदासस्य रचना अस्ति।

(ग) (i) आदिकविः/महर्षि (ii) वाल्मीकि कृते

(iii) रामायणं प्रति (iv) रामायणाय कृते

(घ) आदिकाव्यम्

खण्ड 'ख' (पत्रलेखन-रचनात्मक कार्यम्-15 अङ्काः)

2. (i) अमीरचन्द बा०उ०विद्यालय, (ii) आगामी (iii) भगिन्याः

(iv) पाटलिपुत्रे (v) दिनद्वयस्य (vi) अनुगृह्णातु (vii) प्रार्थना

(viii) भवदीया

3. (i) पाटलिपुत्रम्

पाटलिपुत्रम् अतिप्राचीन नगरम् अस्ति। इदं गङ्गायाः तटे अवस्थितम्। इदं बिहार राज्यस्य राजधानी नगरम् अस्ति। पाटलिपुत्रस्य इतिहासः अतिप्राचीन गौरवपूर्णश्च विद्यते। अत्र गोलगृहं, संग्रहालयः जैविकोद्यानं, गुरुगोविन्द सिंहस्य जन्म स्थानं सचिवालय भवनं शहीद स्मारकः च इति दर्शनीयानि वर्तन्ते। अत्रैव गङ्गा तटे पटना विश्वविद्यालयः वर्तते यस्य नाम विश्वे विख्यातम् अस्ति। महात्मा गाँधी सेतुः अपि अत्रैव अस्ति यः विश्वप्रसिद्धः सेतुः वर्तते।

(ii) दीपावली

प्रतिवर्षं कार्तिकमासस्य अमावस्यायां तिथौ दीपावली त्योहारः भवति। अस्मिन् अवसरे गृहेषु दीपमालिका सज्जते। श्रीरामः लङ्का विजित्य यदा अयोध्याम् आगच्छत् तदा अवधवासिनः दीपान् प्रज्वाल्य प्रकाशम् उत्सवं च अकुर्वन्। एतदर्थं

पर-पराक्रमेण प्रतिवर्षं भारतवासिनः दीपावल्याः आयोजनं कुर्वन्ति। अनेनोत्सवेन सह बहु नामुत्सवानां समागमो भवति। लक्ष्मीपूजा, दीपावली, अन्नकूटः भ्रातृद्वितीया, यमुनास्नानम् चित्रगुप्तपूजा गोवर्धनपूजा आदयः। उत्सवो अयं उत्सवानां समूहः अस्ति।

(iii) अस्माकं ग्रामः

अस्माकं ग्रामः बिहार प्रदेशस्य पटनामण्डले अस्ति। अयं ग्रामं गंगायाः पावनः तटे अस्ति। ग्रामं परितः आमृवक्षाः सन्ति। ग्रामं निकषा राजपथः अपि अस्ति। ग्रामे विभिन्न समुदायस्य जनाः निवसन्ति। अत्र ग्रामप्रधानः शिक्षितः उदारः च अस्ति। अत्रत्याः जनाः कृषिकर्म कुर्वन्ति।

(iv) सत्संगति

सतां सज्जनानां संगतिः सत्संगतिः भवति। सत्सङ्गति धियः जडता हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, मानं उन्नति च दिशति पापं च अपाकरोति। इयं चेतः प्रसादयति दिक्षुः कीर्तिं तनोति। सत्सङ्गे जनाः न गुणान् अभिनन्दति। ते सर्वदा गुणवृद्धिः कामयन्ते। सङ्गजा गुणदोषाः भवन्ति। कथय-सत्सङ्गतिः किं न करोति पुंसाम्।

खण्ड-‘ग’ (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्-32 अङ्काः)

4. (i) महा+उत्सवः (ii) यद्यपि (iii) सू (iv) वृक्षे+अपि=वृक्षऽपि
5. (क) (iv) दृश् (ख) (iv) लृट् (ग) लभते।
6. (क) (ii) मुनेः (ख) (ii) राजन् (ग) चतुर्थी।
7. (क) पंचमी विभक्ति । यहाँ ‘भुवः प्रभवः’ सूत्र का प्रयोग हुआ है।
(ख) रूच्यर्थानां प्रीयमाणः रूच् (अच्छा लगना) धातु के योग में प्रीयमाणः अर्थात् जिसको अच्छा लगता है, उसकी सम्प्रदान संज्ञा होती है तथा सम्प्रदाने चतुर्थी’ सूत्र से उसमें चतुर्थी विभक्ति का व्यवहार होता है।
यथा- मह्यं मिष्टान्नं रोचते।

8. (क) उपगु (ख) रामः च लक्ष्मणः च
(ग) बहुब्रीहि ।
9. (क) (iii) स्थातव्यम् (ख) (iv) ल्युट्
10. (क) (i) नायिका (ख) (ii) डीन्
11. (क) (ii) ठक् (ख) (i) मानवता
12. प्रतिष्ठितः
13. (i) विद्या धनेषु उत्तमा अस्ति।
(ii) मह्यं तस्य चरित्रं रोचते।
(iii) राजीव गांधी प्रगतिवादी विचारस्य आसीत्।
(iv) जेन् सह अधिकांशजानाः आसन्।
(v) किं त्वं तस्य सम्बन्धे जानासि।
(vi) क्षेत्रे बालकाः क्रीडन्ति।
(vii) मनुष्येषु/मनुष्यानाम् ब्राह्मणः श्रेष्ठः अस्ति।
(viii) अद्य वर्षा भविष्यति।
(ix) विद्यालयं उभयतः वृक्षाः सन्ति।
(x) सः पापाद् विभेति।

खण्ड 'घ' (पठित अवबोधनम्- 40 अङ्काः)

14. (क) विवाह संस्कार से ही मनुष्य वस्तुतः गृहस्थ जीवन में प्रवेश करता है।
(ख) इस समय पटना अतिविशाल है एवं बिहार की राजधानी है।
(ग) मिथिला में वीरेश्वर नाम का मन्त्री था और वह स्वभाव से दानी था।
15. (क) अलसकथायाः कथाकारः विद्यापतिः अस्ति।
(ख) शैक्षणिक संस्काराः पञ्च सन्ति।
(ग) स्वामी दयानन्दस्य जन्म 1824 ई० वर्षे अभत्।

(घ) गृहस्थ जीवनस्य एकः संस्कारः विवाहः वर्तते।

16. महाकवि विद्यापति मिथिला के एक महान् कवि थे। इन्होंने मैथिली, संस्कृत एवं अवहट्ट में कई पुस्तकों की रचना की है। संस्कृत में इन्होंने 'पुरूष-परीक्षा' नामक कथा ग्रन्थ लिखा है। हमारी पाठ्य-पुस्तक में 'अलस कथा' नामक शीर्षक कथा पुरूष-परीक्षा से ही ली गई है।
17. बिहार के सुदूर स्थल में भीखनटोला नामक एक गाँव है जहाँ एक दलित परिवार में रामप्रवेश नामक व्यक्ति का जन्म हुआ। वह एक कुशाग्र बुद्धि होने के कारण केन्द्रीय लोक सेवा की परीक्षा में उन्नत स्थान प्राप्त कर न केवल अपने प्रान्त में बल्कि केन्द्र प्रशासन में भी प्रतिष्ठा प्राप्त की।
18. (क) जो मनुष्य बिना बुलाये आते है, बिना पूछे बहुत बोलता है और अविश्वासी पर विश्वास करता है वह निश्चय ही मूर्ख और मनुष्यों में नीच है।
(ख) यह मातृभूमि सदैव निर्मल और ममतामयी है। यह भारत वर्ष के नाम से प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के लोग, धर्म, जाति का भेद किए बिना एकता की भावना को धारण किये हुए निवास करते हैं।
19. प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य-पुस्तक-पीयूषम् भाग- दो के शीर्षक पाठ व्याघ्रपथिक कथा से संकलित है। लोभ में पड़ा हुआ पथिक सोने का कङ्कण को न प्राप्त कर सका वरण इस प्रयास में उसकी जान भी चली गयी। कथाकार 'नारायण पण्डित ने अपने ग्रन्थ हितोपदेश में अनेक नीतिपरक वचनों को सरल एवं सुगम कहानियों के माध्यम से कहना चाहते हैं कि लोभ के बुरे परिणाम होते हैं।
20. (क) वीरेश्वरः (ख) षोडश (ग) सीताम् (घ) व्यासः
21. वर्तमान में विश्व के प्रायः सभी देश अशान्ति की समस्या से ग्रस्त है। विश्वशान्ति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमें निर्वैर, दया, परोपकार, सहिष्णुता और मित्रता का भाव दूसरों के प्रति रखना होगा तभी विश्वशान्ति हो सकती है।

22. (क) जब वनवास काल में राम, सीता एवं लक्ष्मण के साथ चित्रकूट जाते हैं तब वे लोग मन्दाकिनी नदी की प्राकृतिक सुषमा से बहुत प्रभावित होते हैं। इसकी रमणीयता को देखकर भगवान श्रीराम सीता से कहते हैं कि रंग-बिरंगी छटा वाली यह नदी जो हंसों द्वारा सुशोभित है तथा जिसके निर्मल जल में मुनिगण स्नान कर रहे हैं, हमारे चित्त को आकर्षित कर रही है।
- (ख) (i) पाटलिपुत्र वैभवम्।
(ii) गंगा के किनारे।
(iii) भगवान् बुद्ध ।
23. (क) विद्यायोगेन रक्ष्यते।
(ख) 'विशालाक्षि' सीतायाः कृते सम्बोधनम् अस्ति।
(ग) दानवीरः अङ्गराज कर्णः आसीत्।
(घ) महर्षिः कपिलः सांख्यदर्शनस्य प्रवर्तकः आसीत्।